फाइनेंस कंपनी द्वारा जायदाद कब्जाने.....

पेज एक का शेष

लिए सारन थाने को आदेश देने को कहा गया।

न्याय होना ही पर्याप्त नहीं न्याय होता भी दिखना चाहिए, जो इस मामले में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। यही आदेश यदि दो चार दिन बाद जारी किया जाता और इस बीच गिद्ध दृष्टि वाली कंपनी जायदाद कब्जा लेती तो फिर गरीब कर्जदार के लिए बड़ा भारी संकट पैदा होना निश्चित था, यदि इसी तरह त्वरित न्याय जनता को मिलने लगे तो न्यायपालिका की साख काफी बढ़ सकती है।

Paytm

MM

Majdoor Morcha

UPI ID: 8851091460@paytm

8851091460

Scan this QR or send money to 8851091460 from any app. Money will reach in Majdoor Morcha's bank account.

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर अपनी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या- 451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112

Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लबगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल-बस अड्डा होडल - 9991742421

ग्रामीण सफाई कर्मचारी आरपार की लड़ाई को तैयार

फरीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। मुख्यमंत्री खट्टर की घोषणा से नाराज होकर हड़ताल पर गए ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पर उपायुक्त कार्यालय के सामने 24 घंटे का महापड़ाव डाला। कर्मचारी हक पाने तक आरपार की लड़ाई को तैयार हैं।

महापड़ाव में विशेष आमंत्रित सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने हरियाणा सरकार पर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को शहरी क्षेत्रों के कर्मचारियों की तुलना में बहुत कम सुविधाएं मिलती हैं, उनके वेतनमानों में भी भिन्नता है। इन्हें त्योहारों पर किसी प्रकार का एडवांस भी नहीं मिलता। आज भी कर्मचारियों को पंचायतों पर आश्रित रहना पड़ रहा है। सरकार को कर्मचारियों में यह भेद समाप्त करना चाहिए।

अध्यक्षता कर रहे जिला प्रधान महेंद्र सिंह माडोतिया ने पंचायत के बजाय ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को बीडीपीओ के पे रोल पर रखे जाने, मृत कर्मचारियों के परिवार के एक सदस्य को एक्सीलरेशन नीति के तहत नौकरी दिए जाने की मांग की। संचालन कर रहे जिला सचिव दिनेश पाली ने यूनियन की मांगें सुनाईं। ग्रामीण सफाई कर्मचारी के बच्चों को पढ़ाई के लिए न्यूनतम 1125 रुपए मासिक भत्ता,

साल में काम से कम चार वर्दी, दो जोड़ी जूते-चप्पलों के लिए 8000 रुपये वार्षिक तथा 500 धुलाई भत्ता प्रमुख मांगे बताईं आरोप लगाया कि सरकार की तरफ से इन मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं दिखाई दे रही है। यूनियन ने निर्णय लिया कि जब तक 16 सूत्री मांगों को सरकार लागू नहीं करती तक हड़ताल जारी रहेगी। महापड़ाव में राजू ब्लॉक प्रधान तिगांव, मनोज हंस ब्लॉक प्रधान बल्लभगढ़, नरेश ब्लॉक प्रधान फरीदाबाद धर्मवीर वैष्णव आदि मौजूद रहे।

महुआ मोइत्रा का बड़ा खुलासा, कहा- अडानी ने सवाल ना करने के लिए की थी पैसे की पेशकश

जनचौक

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। महुआ मोइत्रा ने कहा कि गौतम अडानी ने समझौते के लिए पिछले तीन वर्षों में "दो लोकसभा सांसदों के जरिए" दो बार उनसे संपर्क किया। हालांकि, महुआ ने उन दो सांसदों का नाम नहीं बताया जिन्होंने कथित तौर पर अडानी की ओर से उनसे संपर्क किया था। कैश-फॉर-क्वेरी विवाद के बाद इंडिया टुडे से बात करते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा, "अडानी ने पिछले तीन वर्षों में दो लोकसभा सांसदों के माध्यम से मुझसे संपर्क किया है ताकि वे उनके साथ मेज पर बैठ सकें और समाधान निकाल सकें। मैंने डील से इनकार कर दिया है। मुद्दा यह है कि वह सवाल न करने के लिए नकद दे रहे थे।"

महुआ मोइत्रा ने कहा कि उन्होंने अडानी द्वारा दिए गए सौदे के प्रस्ताव से इनकार कर दिया। महुआ मोइत्रा ने कहा, "मैं उनसे कभी नहीं मिली, इसलिए मुझे नहीं पता कि वह पेशकश क्यों कर रहे थे या क्या कीमत चुका रहे थे।"

तृणमूल सांसद ने आरोप लगाया कि पिछले हफ्ते उनसे दोबारा संपर्क किया गया और उन्हें "चुप रहने" के लिए कहा गया।

महुआ ने कहा कि "मुझे संदेश दिया गया था- 'कृपया इसे समाप्त करें। कृपया चुनाव खत्म होने तक छह महीने तक चुप रहें। बाद में सब कुछ ठीक हो जाएगा। अगर आप अडानी पर हमला करना चाहती हैं, तो भी आप इसे थोड़ा सा कर सकती हैं, लेकिन कम से कम प्रधानमंत्री का नाम मत लीजिए"।

दरअसल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर संसद में सवाल उठाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि महुआ मोइत्रा नकदी और उपहार के बदले व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर संसद में सवाल पूछती रही हैं। इस आरोप के बाद महुआ मोइत्रा लोकसभा आचार समिति की जांच के दायरे में हैं।